

कक्षा-10

हिन्दी (पाठ्यक्रम-ब) कोड संख्या (085)

संकलित परीक्षा 1 (एस 1) हेतु भार विभाजन (अप्रैल-सितम्बर)		कुल भार %
विषयवस्तु	अंक	
अपठित बोध	20	20%
व्याकरण	20	
पाठ्यपुस्तक व पूरकपाठ्यपुस्तक	30	
लेखन	10	
फॉरमैटिव परीक्षा(एफ-1 व एफ 2)		20%
कुल भार		40%

संकलित परीक्षा 2 (एस 2) हेतु भार विभाजन (अक्टूबर- मार्च)		कुल भार %
विषयवस्तु	अंक	
अपठित बोध	20	40%
व्याकरण	20	
पाठ्यपुस्तक व पूरकपाठ्यपुस्तक	30	
लेखन	10	
फॉरमैटिव परीक्षा(एफ-3 व एफ 4)		20%
कुल भार		60%

टिप्पणी:

1. संकलित परीक्षाओं का कुल भार 60 प्रतिशत तथा फॉरमैटिव परीक्षाओं का कुल भार 40 प्रतिशत होगा। फॉरमैटिव परीक्षाओं के 40 प्रतिशत में से प्रत्येक सत्र में 5 प्रतिशत भाग(संपूर्ण वर्ष में 10 प्रतिशत) श्रवण व वाचन कौशलों के परीक्षण हेतु आरक्षित होगा। शेष 30 प्रतिशत फॉरमैटिव मूल्यांकन, पाठ्यचर्या के अन्य अंगों जैसे पठन, लेखन, व्याकरण, पाठ्यपुस्तक व पूरक पाठ्यपुस्तक, पर आधारित होगा । इसमें बोलने, सुनने, लिखने व बोध पर आधारित मौखिक, लिखित अथवा कार्यकलापों पर आधारित परीक्षण किया जा सकता है।
2. संकलित परीक्षा एक (एस-1) 80 अंकों की होगी। 80 अंकों को मूल्यांकन के पश्चात 20 अंकों में से परिवर्तित कर लिया जाएगा तदुपरांत ग्रेड का निर्धारण किया जाएगा तथा संकलित परीक्षा दो (एस-2) 80 अंकों की होगी व 80 अंकों को मूल्यांकन के पश्चात 40 अंकों में से परिवर्तित करने के उपरांत ग्रेड का निर्धारण किया जाएगा।

संकलित परीक्षाओं हेतु विभाजन

खण्ड	विभाग	अंक	कुल अंक
क.	1. अपठित गद्यांश-बोध	5x2=10	20
	2. अपठित पद्यांश-बोध	5x2=10	
ख.	व्याकरण	5x4=20	20
ग.	पाठ्यपुस्तक - क्षितिज भाग-1	25	30
	पूरकपाठ्यपुस्तक - कृतिका भाग-1	05	
घ.	लेखन	10	10

**कक्षा दसवीं हिन्दी 'ब'-
संकलित परीक्षाओं हेतु परीक्षा विनिर्देशन 2010-2011**

खण्ड-क : अपठित बोध

प्रश्न संख्या 1-4 (20 अंक)

1. दो अपठित गद्यांश (100 से 150 शब्दों के)
2. दो अपठित काव्यांश (100 से 150 शब्दों के)

उपर्युक्त गद्यांश व पद्यांश पर शीर्षक का चुनाव, विषय-वस्तु का बोध, भाषिक बिंदु/संरचना आदि पर **चार प्रश्न** पूछे जाएँगे प्रत्येक प्रश्न के **पाँच बहुवैकल्पिक** भाग होंगे तथा प्रत्येक भाग का एक अंक होगा ।

खण्ड-ख : व्यावहारिक व्याकरण

प्रश्न संख्या 5-9 (20 अंक)

उपर्युक्त विषयों पर विषय-वस्तु का बोध, भाषिक बिंदु/संरचना आदि पर **पाँच प्रश्न** पूछे जाएँगे प्रत्येक प्रश्न के **चार बहुवैकल्पिक** भाग होंगे तथा प्रत्येक भाग का एक अंक होगा ।

खण्ड-ग : पाठ्यपुस्तक स्पर्श भाग-2 व पूरक पाठ्यपुस्तक संचयन भाग-2

प्रश्न संख्या 10 से 16 (30 अंक)

प्रश्न संख्या 10

पाठ्यपुस्तक 'स्पर्श' के निर्धारित पाठों में से कोई दो पद्यांश दिए जाएँगे तथा इन पर विषय-वस्तु का बोध, भाषिक बिंदु/संरचना आदि पर **पाँच बहुवैकल्पिक** प्रश्न पूछे जाएँगे तथा प्रत्येक प्रश्न के **चार विकल्प** होंगे तथा प्रत्येक प्रश्न का **एक अंक** होगा । छात्रों को कोई **एक** पद्यांश करना होगा । (5 अंक)

प्रश्न संख्या 11

पाठ्यपुस्तक 'स्पर्श' के गद्य पाठों के आधार पर **चार लघुउत्तरीय** प्रश्न पूछे जाएँगे । इन प्रश्नों का कुल भार **पाँच अंक** होगा (2.5+2.5) छात्रों को कोई दो प्रश्न करने होंगे । ये प्रश्न छात्रों की साहित्य को पढ़कर समझ पाने की क्षमता के आकलन पर आधारित होंगे (5 अंक)

प्रश्न संख्या 12

पाठ्यपुस्तक 'स्पर्श' के पाठों (गद्य) पर **पाँच अंक** का एक निबंधात्मक प्रश्न पूछा जाएगा (**विकल्प सहित**) । यह प्रश्न छात्रों की हिंदी के माध्यम से अपने अनुभव को लिखकर सहज अभिव्यक्ति कर पाने की क्षमता का आकलन करने पर आधारित होगा। (5 अंक)

प्रश्न संख्या 13

पाठ्यपुस्तक 'स्पर्श' के निर्धारित पाठों (गद्य) में से दो गद्यांश दिए जाएँगे तथा इस में से छात्रों को कोई एक

करना होगा। इस पर **तीन या चार लघुउत्तरीय प्रश्न** पूछे जाएँगे। इन प्रश्नों का कुल भार **पाँच** अंक होगा। यह प्रश्न हिंदी गद्य के संदर्भ में विषय तथा अर्थबोध की क्षमता का आकलन करने पर केंद्रित होंगे।
(5 अंक)

प्रश्न संख्या 14

पाठ्य पुस्तक स्पर्श की कविताओं के विषय व अर्थ बोध और सराहना व काव्य बोध को सरल शब्दों में अभिव्यक्त करने की क्षमता पर आधारित **दो या तीन लघुउत्तरीय प्रश्न** पूछे जाएँगे। इन प्रश्नों का कुल भार **पाँच** अंक होगा।
(5 अंक)

प्रश्न संख्या 15

पूरक पुस्तक 'संचयन' के निर्धारित पाठों में से **दो** प्रश्न देकर किसी **एक** का उत्तर पूछा जाएगा। इस प्रश्न का कुल भार **तीन** अंक होगा। यह प्रश्न छात्रों के पाठ पर आधारित अनुभवों व उनकी संवेदनशीलता को परखने के लिए होंगे।
(3 अंक)

प्रश्न संख्या 16

पूरक पुस्तक 'संचयन' में से **एक** प्रश्न पूछा जाएगा। इस प्रश्न का कुल भार **दो** अंक होगा यह प्रश्न पाठ की समझ व उनकी सहज अभिव्यक्ति की क्षमता पर आधारित होगा।
(2 अंक)

खण्ड-घ : लेखन

प्रश्न संख्या 17 से 18 (10 अंक)

प्रश्न संख्या 17

इस प्रश्न में संकेत बिन्दुओं पर आधारित समसामयिक विषयों एवं व्यावहारिक जीवन से जुड़े हुए विषयों पर **80 से 100** शब्दों में के **तीन** में से किसी **एक** विषय पर अनुच्छेद लिखने के लिए कहा जाएगा। यह अनुच्छेद विभिन्न विषयों और संदर्भों पर छात्रों के तर्कसंगत विचार प्रकट करने की क्षमता को परखने के लिए होंगे।
(5 अंक)

प्रश्न संख्या 18

इस प्रश्न में किन्हीं **दो** औपचारिक विषयों में से किसी **एक** विषय पर पत्र लिखने के लिए कहा जाएगा। यह प्रश्न अभिव्यक्ति की क्षमता पर केन्द्रित होगा।
(5 अंक)

कक्षा दसवीं हिन्दी 'ब'- संकलित एवं फॉरमैटिव परीक्षाओं हेतु पाठ्यक्रम का विभाजन

क्रम० स०	पाठ्य पुस्तक	प्रथम सत्र (अप्रैल से सितम्बर)			द्वितीय सत्र (अक्टूबर से मार्च)		
		FA 1 10	FA2 10	SA I 20	FA3 10	FA4 10	SA II 40
	स्पर्श (गद्य)						
1	बड़े भाई साहब	✓		✓			
2	डायरी का एक पन्ना	✓		✓			
3	तताँरा वामीरो कथा		✓	✓			
4	तीसरी कसम के शिल्पकार		✓	✓			
5	गिरगिट				✓		✓
6	अब कहाँ दूसरों के दुख में दुखी होने वाले				✓		✓
7	पतझड़ में टूटी पत्तियाँ					✓	✓
8	कारतूस					✓	✓
	स्पर्श (पद्य)	FA 1 10	FA2 10	SA I 20	FA3 10	FA4 10	SA II 40
1	कबीर (साखी)	✓		✓			
2	मीरा के पद	✓		✓			
3	पर्वत प्रदेश में पावस		✓	✓			
4	तोप		✓	✓			
5	बिहारी के दोहे				✓		✓
6	मनुष्यता				✓		✓
7	मधुर-मधुर मेरे दीपक जल				✓		✓
8	कर चले हम फिदा					✓	✓
9	आत्मत्राण					✓	✓

	संचय	FA 1 10	FA 2 10	SA I 20	FA 3 10	FA 4 10	SA II 40
1	हरिहर काका	✓		✓			
2	सपनों के से दिन				✓		✓
3	टोपी शुक्ला					✓	✓

क्रम० स०	पाठ्य पुस्तक	प्रथम सत्र (अप्रैल से सितम्बर)			द्वितीय सत्र (अक्टूबर से मार्च)		
		FA 1 10	FA 2 10	SA I 20	FA 3 10	FA 4 10	SA II 40
	व्याकरण						
1	शब्द पद	✓		✓			
2	पदबंध	✓		✓	✓		✓
3	पदपरिचय	✓		✓		✓	✓
4	मिश्र व संयुक्त वाक्य: वाक्यों का रूपांतरण		✓	✓	✓		✓
5	स्वर संधि		✓	✓		✓	✓
6	तत्पुरुष व कर्मधारय समास		✓	✓	✓		✓
7	मुहावरे व लोकोक्तियों का वाक्य प्रयोग (पाठ्यपुस्तक के आधार पर)	✓	✓	✓	✓	✓	✓
8	अशुद्ध वाक्यों का शोधन					✓	✓
9	पत्र लेखन		✓	✓	✓		✓
10	अनुच्छेद लेखन		✓	✓		✓	✓
11	अपठित गद्यांश			✓			✓
12	अपठित काव्यांश			✓			✓

पुस्तकें

1. पाठ्य पुस्तक स्पर्श भाग-2
2. पूरक पुस्तक संचयन-भाग-2

टिप्पणी:

1. फॉरमैटिव मूल्यांकन का अभिप्राय अधिगम के मूल्यांकन से है। इसलिए विद्यालय उपर्युक्त विभाजन का अपनी सुविधानुसार उपयोग कर सकते हैं।
2. फॉरमैटिव मूल्यांकन से संबंधित सभी कार्यक्रम जैसे विभिन्न प्रकार के शैक्षिक खेल, पहेली, प्रतियोगिता, परियोजना (Project), भूमिका निर्वहन (Roleplay), कहानी लेखन, नाट्य रचनांतरण (Dramatisation), आदि कक्षा में अथवा विद्यालय में करवाये जाने वाले कार्यक्रम हैं। यदि कोई ऐसा कार्यक्रम है जिसमें विद्यालय से बाहर जाकर कार्य करने की आवश्यकता पड़ती है तो ऐसी स्थिति में यह कार्य शिक्षक के पर्यवेक्षण व मार्गदर्शन में होने चाहिए।